an>

Title: Regarding reported public auctioning of a woman in Hamirpur District, Uttar Pradesh.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): सभापति महोदय भूख से मौतें या बच्चों की खरीद-फरोख्त अथवा महिलाओं की बिक्री यह किसी भी सभ्य समाज के लिए एक कलंक है। ये दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं आज भी देश के कई प्रांतों में हो रही हैं। ताजा प्रकरण उत्तर प्रदेश का है। उत्तर प्रदेश की जो वर्तमान सरकार है, यह हर मोर्चे पर विफल है। वहां पर अराजकता है। वहां पर कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ यदि आम जनमानस को मिला होता तो संभवतः ये स्थितियां नहीं होती। प्रस्तुत प्रकरण जनपद हमीरपुर, बुंदेलखंड का है, जिसमें एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को 25 हजार रूपए में बेच दिया है।

महोदय, यह घटना तब होती है जब वह अपनी पत्नी को पहले अलग-अलग लोगों से खरीदने की बात करता है, जब कोई खरीदने को तैयार नहीं हुआ तो उसने एक सार्वजनिक पंचायत बुलायी और उसने सार्वजनिक पंचायत के माध्यम से अपनी पत्नी की नीलामी की और वहां पच्चीस हजार रूपए में एक व्यक्ति ने उसकी पत्नी को खरीदा। वहां प्रशासन पंगु बना हुआ है। शासन के कानों में इस प्रकार की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद भी जूं नहीं रेंगती है। यह गंभीर प्रकरण है। इस देश के अंदर आज भी सभ्य समाज के अंदर बच्चों की बिक्री हो, महिलाओं की बिक्री हो, लोग भूख से मरें, यह अत्यन्त शर्मनाक स्थिति है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि इस प्रकार के प्रकरण को गंभीरता से लें और इसके लिए जो भी दोषी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई करें। इसका संज्ञान लिया जाना चाहिए कि इस प्रकार की घटनायें क्यों घटित हो रही हैं? इसके लिए केवल प्रशासन ही नहीं, वहां की राज्य सरकारें भी दोषी होनी चाहिए, जहां पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम ठीक ढंग से काम नहीं कर रहा है। अगर ये व्यवस्थायें ठीक ढंग से लागू होतीं तो संभवतः इस प्रकार की स्थिति नहीं पैदा होती।

महोदय, मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहूंगा कि सरकार इसका संज्ञान ले और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करें।